912

भारत की राजपत्र The Gazette of India

क्रमा शारण

EXTRAORDINARY

भाग II---खण्ड 3---उपसण्ड (ii)

PART II-Section 3-Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY:

Trio 80]

नई विल्ली, शुक्रवार, फरवरी 15, 1974/माघ 26, 1895

No. 80}

NEW DELHI, FRIDAY, FEBRUARY 15, 1974/MAGHA 26, 1895

इस भाग में भिन्न पष्ठ संख्या दी जाती हैं जिससे कि यह अजग संकलन के रूप में रखा जा सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filled as a separate compilation

MINISTRY OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT

ORDER

New Delhi, the 15th February 1974

S.O. 111(E).—Whereas the Britannia Engineering Company Limited, owning the industrial undertaking known as Messrs. Britannia Engineering Works (Wagons Division), Mokameh, in the State of Bihar (hereinafter in this Order referred to as the said industrial undertaking), is being wound up by the Calcutta High Court and the business of the company is not being continued;

And whereas the Central Government, after obtaining permission from that High Court under sub-section (2) of section 15A of the Industries (Development and Regulation) Act. 1951 (65 of 1951) (hereinafter in this Order referred to as the said Act), had caused an investigation to be made by a body of persons into the possibility of running or re-starting the said industrial undertaking;

And whereas the Central Government, being of the opinion that there are possibilities of running or re-starting the said industrial undertaking, made an application under sub-section (1) of section 18FA of the said Act to the Calcutta High Court praying for permission to appoint any person or body of persons to take over the management of the said industrial undertaking and that the said High Court has, by its Order dated the 1st February, 1974, granted the said permission;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2) of section 18FA of the said Act, and of all other powers hereunto enabling, the Central Government hereby authorises Shri A. F. Couto, Industrial Development Commissioner, Government of Bihar, Patna (hereinafter referred to as the authorised person), to take over the management of the whole of the said industrial undertaking, namely, Messrs. Britannia Engineering Works (Wagons Division) Mokameh, subject to the following terms and conditions, namely:—

- The authorised person shall comply with all directions issued from time to time by the Central Government;
- 2. The authorised person shall hold office for five years from the date of publication in the Official Gazette of this Order.
- The Central Government may terminate the appointment of the authorised person earlier if it considers necessary to do so.

This Order shall have effect for a period of five years commencing from the date of its publication in the Official Gazette.

[No. F.4/2/73-CUC]

D. K. SAXENA, Jt. Secy.

ग्रीहोशिक विकास मंत्रारुय

भावेश

नई दिल्ली, 15 फरवरी, 1974

एस० झो०111(झ).—यतः विटानिया इंजीनियरिंग कम्पनी लिसिटेड का जो एक झौद्योगिक उपक्रम धर्यात मैसर्स विटानिया इंजीनियरिंग वर्स (वेगन विवीजन) मोकामा, विहार राज्य (जिसे इसमें इसके पश्चात इस झादेश में उन्त झौद्योगिक उपक्रम कहा गया है) का स्वामी है, कलकत्ता उन्व व्यायालय द्वारा समापन किया गया है, और इस कम्पनी का कारवार नहीं चल रहा है;

श्रीर यतः केन्द्रीय सरकार ने उद्योगोग (विकास भ्रीर विनियमन) श्रिष्ठिनियम, 1951 (1951 का 65) (जिसे इसमें इसके पश्चात इस आदेश में उक्त श्रिष्ठित्यम कहा गया है) की धारा 15 क की उपधारा (2) के श्रधीन उच्च न्यायालय से अनुज्ञा अभिप्राप्त करने के पश्चात, उक्त श्रीद्योगिक उपक्रम को चालू रखने या फिर से चलाने की संभावना का अन्वेषण व्यक्तियों के एक निकाय द्वारा कराया था;

धौर यतः केन्द्रीय सरकार ने, यह राय होने पर कि उक्त शौद्योगिक उपक्रम को चालू रखने या फिर से चलाने की संभावनाएं हैं, उक्त ग्रधिनियम की धारा 18 च क की उपधारा (1) के अधीन उक्त भौद्योगिक उपक्रम का प्रबन्ध ग्रहण करने के लिए कोई व्यक्ति या व्यक्तियों का एक निकाय नियुक्त करने की श्रमुता के लिए प्रार्थना करते हुए कलकत्ता उक्क न्यायालय को ग्रावेवन किया था भीर उक्त उक्त न्यायालय ने, श्रमुने ग्रावेश, तारीख 1 फरवरी, 1974 द्वारा उक्त श्रमुता दे दी है;

द्यतः, प्रम, केन्द्रीय सरकार, उक्त ग्रिप्तिनियम की धारा 18 च के की उपधारा (2) द्वारा प्रवक्त ग्रिक्तियों का भीर इस निमित्त उसे सशस्त्र बनाने वाली भ्रन्य सभी गक्तियों का प्रयोग करते हुए श्री एं एफ कौड़ी, भौद्योगिक विकास भायुक्त, बिद्धार सरकार, पटना को (जिसे इसमें इसके पश्चात श्रिष्ठिक व्यक्ति कहा गया है) उक्त भौद्योगिक उपक्रम, प्रभात मेसर्स ब्रिटानिया इंजीनियरिंग वक्तं

(वेगन डिबीजन) मोकामा, का समस्त प्रबन्ध, निस्तिकित निबंधनों और प्रती के प्रधीन रहते हुए. ग्रहण करने के लिए प्राधिकृत करती है, ग्रथांतः—

- प्राधिकृत व्यक्ति केन्द्रीय सरकार क्षारा समय-समय पर जारी किए गए सभी निदेशों का श्रनुपालन करेगा ।
- 2. प्राधिकृत व्यक्ति, इस श्रादेश के राजपत्न में प्रकाशग की तारीख से पांच वर्ष के लिए पद धारण करेगा।
- केन्द्रीय सरकार यदि ऐसा करना श्रावश्यक समझे, प्राधिकृत व्यक्ति की नियुक्ति पहुले भी समाप्त कर सकेगी ।

यह भादेश राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से पांच वर्ष की भवधि के लिए प्रभावी होगा।

[सं० फा० ¼/2/73-सी यू सी] बी० के० सक्सेना, संयुक्त सचिव ।

